समापन | जिला शालेय जूडो स्पर्धा का समापन, 275 खिलाड़ियों ने प्रतिभा का किया प्रदर्शन

शाद, अनस व अंकुश ने मैट पर जमाई धाक

जबलपुर नवभारत। जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर के मार्गदर्शन एवं नर्मदा नर्सरी तथा वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हनुमानताल के संयोजन में आयोजित जिला स्तरीय शालेय बालक एवं बालिका (14, 17 एवं 19 वर्ष) जूडो प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ।

हनुमानताल स्थित नर्मदा नर्सरी एवं वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परिसर में खेली गई इस प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के लगभग 275 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपना कौशल दिखाया।

विजेता व उपविजेता खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में नवनीत महेश्वरी संचालक, नर्मदा कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं नर्मदा शिक्षण महाविद्यालय उपस्थित रहे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनीता महेश्वरी संचालक, नर्मदा ग्रुप, प्रभाव महेश्वरी सह-संचालक एवं विभव महेश्वरी सह-संचालक ने उपस्थिति दर्ज कराई और सभी विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया।

बालक वर्ग के मुख्य परिणाम

बालक वर्ग 14 वर्ष) के -25 किग्रा में आरव कोस्टा, -30 किग्रा में मोहम्मद शाद नवाज़, -35 किग्रा में अनस मंसूरी, -40 किग्रा में साकिब अंसारी, -45 किग्रा में एहतेशाम मंसूरी, -50 किग्रा में मोहम्मद जैद, +50 किग्रा में आरिश अख्तर आदि विजेता रहे। बालक वर्ग 17 वर्ष के -40 किग्रा में शिवांक कुशवाहा, -45 किग्रा में काशिफ रज़ा, -50 किग्रा में हर्ष श्रीवास्तव, -55 किग्रा में अंकुश गुप्ता, -60 किग्रा में अरहान आलम, -66 किग्रा में अविरल सिंह ठाकुर, -81 किग्रा में अथर्व यादव आदि विजेता रहे।

लक्ष्य ने हासिल किया लक्ष्य

बालक वर्ग 19 वर्ष के -40 किग्रा में लक्ष्य अग्रहरि, -45 किग्रा में अंश श्रीवास, -50 किग्रा में अराध्य साहू, -55 किग्रा में सचिन पटैल, -60 किग्रा में हर्ष परिहार, -66 किग्रा में अनुराग अग्रहरि, -73 किग्रा में राज चक्रवर्ती आदि विजेता रहे।

इनका रहा सहयोग

प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए विभाग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक के रूप में माधुरी शर्मा एवं प्रियंका खरे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। मैचों को निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में निर्णायक (रेफरी) के रूप में एड. अताउर्रहमान अंसारी, ज्ञान भूषण दुबे, तावेज अली, नौशीन अंजुम, सारका अंजुम और ताजवर अंजुम आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में संस्था के प्राचार्य सुनील शुक्ला एवं उप-प्राचार्य प्रभुता श्रीवास का विशेष सहयोग रहा।

अंतिम दिन रोमांचक मुकाबले हुए

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में बालक वर्ग के भार वर्ग (वेट केटेगरी) की वजन प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद जूडो मैट पर मुकाबलों की शुरुआत हुई। वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान के तकनीकी निर्देशन में रेफरी पैनल ने सभी आयु वर्गों के मैच संपन्न कराए। श्री खान ने बताया कि बालिकाओं के सफल मुकाबलों के बाद बालक वर्ग (14, 17 एवं 19 वर्ष) के खिलाड़ियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

अंतर शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता 23 से

जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं लेंगे भाग

नवभारत,जबलपुर । जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन एवं पीके पालीवाल प्राचार्य सांदीपनी विद्यालय, अधारताल के संयोजन में 23 से 25 जुलाई तक अंतर्शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता (14, 17, 19 वर्ग बालक एवं बालिका) का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी 21 एवं 22 जुलाई को सांदीपनी विद्यालय, अधारताल पहुंचकर अपना ऑनलाइन पंजीयन, आवश्यक दस्तावेजों की प्रविष्टियां अनिवार्य रूप से सत्यापन करें। सभी विद्यालय अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के पात्रता प्रमाण पत्र, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर तथा संकुल में फॉरवर्ड कर पांच प्रतियों के साथ प्रतियोगिता में उपस्थित रहे।

बालक वर्ग की स्पर्धा 24 व 25 को होगी

जिन खिलाड़ियों के दस्तावेज पूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाएंगे, उन्हें ही प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। बालिका 14, 17, 19 वर्ग की प्रतियोगिता 23 जुलाई को होगी तथा बालक 14, 17, 19 वर्ग की प्रतियोगिता 24 तथा 25 जुलाई को होगी। इस संबंध में विद्यालय के स्पोर्ट्स टीचर गिरीशकांत मिश्रा से संपर्क कर सकते हैं।

एक नजर में

128 पदोन्नति पर अजाक्स संघ ने जताया आभार

नवभारत, जबलपुर। कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग जबलपुर में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के 128 पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने पर मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष योगेश चौधरी ने विज्ञप्ति जारी कर आभार व्यक्त किया है। पदोन्नति के लिए मुख्य अभियंता ए.पी.राणे की अध्यक्षता, आर.डी. तंतुवाय की सचिवीय भूमिका और अजय सोनकर व योगेश चौधरी की सदस्यता वाली कमेटी ने 100 बिंदु रोस्टर के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बैकलॉग का निर्धारण किया। इसके अंतर्गत 15 पद अनुरेखक से सहायक मानचित्रकार, 83 पद सहायक ग्रेड-3 से सहायक ग्रेड-2, 12 पद भृत्य से दफ्तरी और 18 पद भृत्य से सहायक ग्रेड-3 पर पदोन्नत किए गए। इस अवसर पर अजय सोनकर, राजेन्द्र तेकाम, योगेश चौधरी, राकेश समुन्द्रे, सुभाष खण्डारे, धर्मेंद्र कुकरेले, पवन बावरिया, पप्पू गिरानिया, कमल किशोर गोटियां, डी.एस.मरावी, कपिल राज प्रिंजे, उदय सिंह मरावी, संजय मरावी, जय प्रकाश तेकाम, विनीत झारिया और इन्द्र कुमार कुलस्ते उपस्थित थे।

आगामी जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए नरेंद्र जैन ने साझा किया विजन

नवभारत, जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के आगामी चुनाव 2026-28 में अध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी एडवोकेट नरेंद्र जैन के समर्थन में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस वार्ता में उन्होंने संघ के विकास, वकीलों की समस्याओं और अपने आगामी विजन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिवक्ता कल्याण और सशक्तिकरण के लिए जिला स्तरीय सहायता केंद्र, युवा वकीलों के लिए मेंटरशिप और मासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का संकल्प जताया। इसके अलावा वकीलों के नियमित सेमिनार और राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्किंग को बढ़ावा देना उनकी मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। नरेंद्र जैन ने महिला वकीलों की सुरक्षा, बार परिसर के आधुनिकीकरण और कोर्ट को स्मार्ट व डिजिटल बनाने का वादा किया। इसके तहत हाई-स्पीड इंटरनेट, पेपरलेस कार्यप्रणाली, ई-रिसर्च सुविधाएं, सुगम बार पार्किंग और यातायात व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा। उन्होंने जिला बार लिटिगेशन की नियमित मॉनिटरिंग, प्रशासन से संवाद और मासिक 'प्रेसिडेंट कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। अंत में उन्होंने मीडिया के माध्यम से जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के समस्त अधिवक्ताओं से आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु वोट देने की अपील की।

गोथिया कप में भारतीय फुटबॉल दल ने जीता कांस्य पदक

नवभारत, जबलपुर। एसकेएफ फुटबॉल प्रतियोगिता गोथिया कप 2026 का आयोजन 11 से 17 जुलाई तक गोथेनबर्ग स्वीडन में किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अनेक देशों के मानसिक मंद दिव्यांगजनों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें स्पेशल ओलंपिक्स भारत की टीम ने सेमीफाइनल में फिनलैंड को 2-0 से हराकर कांस्य पदक जीता। जबलपुर के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण था क्योंकि विकलांग सेवा भारती चेतना के शिक्षक पुष्पेंद्र कुशवाहा ने भारतीय दल के कोच के रूप में टीम का नेतृत्व किया। उनके अनुभव, कौशल एवं मार्गदर्शन से भारतीय टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, जो इस संस्था के साथ-साथ पूरे प्रदेश और जबलपुर शहर के लिए गर्व का विषय है।

कोच पुष्पेंद्र कुशवाहा के मार्गदर्शन को सराहा

संस्था की सचिव मिताली बनर्जी ने कहा कि यह संस्थान के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है क्योंकि विकलांग सेवा भारती के कई खिलाड़ी पूर्व में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। इस बार संस्था के शिक्षक का कोच के रूप में चयन संस्था की निरंतर उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का प्रमाण है, जिसके लिए उन्होंने भारतीय दल एवं पुष्पेंद्र कुशवाहा को इस बड़ी सफलता की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्पेशल ओलंपिक्स भारत मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक दीपांकर बनर्जी, खेल निदेशक एहतिशामउद्दीन, संस्था के प्राचार्य राकेश शर्मा, सचिन प्रजापति, प्रोग्राम मैनेजर अशोक विश्वकर्मा, मनीषा सेन, सुचिता द्विवेदी, मनीषा रजक, प्रियंका जैन और कपिल दीक्षित सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी।

सेंट एलॉयसियस स्कूल सदर ने जीती फुटसल चैम्पियनशिप

नवभारत, जबलपुर। सेंट ज़ेवियर्स हाई स्कूल, गुप्तेश्वर द्वारा रयान स्पोर्ट्स क्लब के बैनर तले आयोजित इंटर-स्कूल फुटसल चैम्पियनशिप 2026 का दूसरा दिन पूरे उत्साह, जोश और खेल भावना के साथ सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन सेमीफाइनल मुकाबलों के साथ-साथ फाइनल एवं तृतीय स्थान के लिए मुकाबला खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया। पहले सेमीफाइनल में सेंट एलॉयसियस स्कूल, सदर ने मेज़बान सेंट ज़ेवियर्स हाई स्कूल, गुप्तेश्वर को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में सेंट एलॉयसियस स्कूल, पॉलीपाथर ने महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, नर्मदा रोड, जबलपुर को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। द्वितीय उपविजेता (सेकंड रनर-अप) ट्रॉफी के लिए खेले गए मुकाबले में महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, नर्मदा रोड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में सेंट एलॉयसियस स्कूल, सदर ने सेंट एलॉयसियस स्कूल, पॉलीपाथर को पराजित कर इंटर-स्कूल फुटसल चैम्पियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम किया। सेंट एलॉयसियस स्कूल, पॉलीपाथर प्रथम उपविजेता तथा महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, नर्मदा रोड द्वितीय उपविजेता रहे।

समापन समारोह में अतिथियों ने बढ़ाया हौसला

पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सेंट एलॉयसियस स्कूल, सदर के एल्बर्ट आमिर को 'मैन ऑफ द सीरीज़' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सारिका वर्मा, रामेन्द्र सिंह, डॉ. नितिन रंधावा, अभिषेक श्रीवास्तव, सूर्यकांत शर्मा, मदन अवस्थी, रूपेश सिंह, जॉयनिक मैथ्यू तथा देवेन्द्र निश्चल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए खेलों के माध्यम से अनुशासन, समर्पण एवं टीम भावना विकसित करने का संदेश दिया। दो दिवसीय चैम्पियनशिप का सफल समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रतियोगिता ने युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान किया तथा खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के मूल्यों को सशक्त रूप से बढ़ावा दिया।

झुकेही में रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस का ठहराव शुरू

नवभारत,जबलपुर। यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए गाड़ी संख्या 11751/11752 रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस का झुकेही रेलवे स्टेशन पर नियमित ठहराव शुक्रवार से प्रारंभ हो गया। इस अवसर पर झुकेही स्टेशन पर आयोजित समारोह में क्षेत्रीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सतना सांसद गणेश सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए, जबकि रेलवे की ओर से मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सांसद गणेश सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रीन सिग्नल दिखाकर ट्रेन के ठहराव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से झुकेही और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। मंडल वाणिज्य प्रबंधक नितेश कुमार सोने ने बताया कि ट्रेन के ठहराव से क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा और स्थानीय सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत के रास्ते दो दुकानों में सेंधमारी

मंडला। शहर में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब पुलिस थाने के आस-पास भी सुरक्षित नहीं है। गुरुवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने लालीपुर तिराहे के पास दो दुकानों को अपना निशाना बनाया। चोर छत के रास्ते दुकानों में घुसे और नकदी सहित अन्य सामान ले उड़े। यह वारदात कोतवाली थाने से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई है, जिसने शहर की पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी अनुसार चोरों ने लालीपुर तिराहे पर स्थित केएम ट्रेडर्स और मां नर्मदा मशीनरी सेंटर में सेंधमारी कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने गल्ले में रखे करीब 40 हजार रुपये नकद और दुकान में रखा अन्य सामान चुरा लिया। इस दुकान में भी चोरों ने हाथ साफ किया है, हालांकि यहां से कितने का माल गया है, इसका आकलन अभी किया जा रहा है।

पुलिस गश्त पर उठे सवाल

थाने से चंद कदमों की दूरी पर हुई इस दुस्साहसिक वारदात से स्थानीय व्यापारियों में रोष है और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सुबह जब दुकानदारों को घटना की जानकारी लगी, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

प्रतिभा | ढाई साल में पहला पुरस्कार, साढ़े तीन साल में पहला स्टेज शो, अब 'किशोर नाइट' में तीसरी बड़ी प्रस्तुति की तैयारी

गर्भ में सुने सुर, कोरोना में मिली साधना... सात साल की नायरा हर मंच पर बिखेर रही प्यार और संगीत का जादू

नवभारत, जबलपुर । मंच पर जैसे ही एक 7 साल की बच्ची आती है। चेहरे पर मासूम मुस्कान, आंखों में आत्मविश्वास और हाथ में माइक। गीत शुरू करने से पहले वह पूरे विश्वास के साथ कहती है 'शुक्रिया... जरा मेहरबान दोस्तों... जिंदगी हसीन है, मगर सिर्फ उनके लिए जिन्होंने प्यार किया है... क्योंकि प्यार करने वाले जानते हैं कि आन, बान और शान से जीना किसे कहते हैं।' कुछ ही क्षण बाद जब उसकी आवाज में सुर गूंजते हैं तो पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठता है। संस्कारधानी के सांस्कृतिक आयोजनों की खास पहचान बनता जा रहा है। यह नन्ही कलाकार हैं नायरा दुबे, जिन्होंने महज चार दिन पहले ही सातवें साल में प्रवेश किया अपनी गायकी, आत्मविश्वास और संस्कारों से लोगों का दिल जीत रही हैं।

अभिमन्यु की तरह गर्भ से जुड़ गया संगीत

13 जुलाई 2019 को जबलपुर में जन्मी नायरा वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज दुबे और अधिवक्ता शीतल दुबे की पुत्री तथा प्रख्यात दार्शनिक स्व. डॉ. एस.पी. दुबे की सुपौत्री हैं। परिवार बताता है कि गर्भावस्था के दौरान पिता प्रतिदिन भजन और मधुर गीत सुनाया करते थे। परिवार का मानना है कि नायरा ने मानो अभिमन्यु की तरह गर्भ में ही सुरों की पहली शिक्षा प्राप्त कर ली थी।

कोरोना काल में घर ही बन गया संगीत विद्यालय

जन्म के नौ महीने बाद ही कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की रफ्तार रोक दी। लेकिन दुबे परिवार ने इस कठिन समय को नायरा की प्रतिभा निखारने का अवसर बना दिया। घर में भजन, संगीत, कहानियां और रचनात्मक गतिविधियां उसकी दुनिया बन गईं। डेढ़ साल की उम्र में जब उसने बोलना शुरू किया तो शब्दों के साथ सुर भी गूंजने लगे। माता-पिता ने कभी उस पर दबाव नहीं बनाया, बल्कि उसकी रुचि को स्वाभाविक रूप से विकसित होने दिया।

ढाई साल में पहला पुरस्कार, साढ़े तीन साल में पहला स्टेज शो

महज ढाई साल की उम्र में नटरांजलि ताज महोत्सव के 'सावन झूम के' कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त कर नायरा ने अपनी प्रतिभा का पहला सार्वजनिक परिचय दिया। इसके बाद साढ़े तीन साल की उम्र में जबलपुर के चर्चित मंच 'साज़ और आवाज़' में पहली बार प्रस्तुति दी। फिल्म शान का गीत 'तू है तो दिल धड़कता है...' इतनी सहजता और आत्मविश्वास से गाया कि दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाईं।

तीसरे बड़े स्टेज शो के लिए तैयार

आगामी 1 अगस्त को आयोजित होने वाली 'किशोर नाइट' में वह फिर अपनी गायकी का जादू बिखेरेंगी।

हर प्रस्तुति में प्यार का संदेश

नायरा की सबसे बड़ी विशेषता सिर्फ उनकी गायकी नहीं, बल्कि मंच पर आने का उनका अंदाज भी है। वह हर प्रस्तुति से पहले प्यार, सकारात्मक सोच और इंसानियत का संदेश देती हैं। शायद यही वजह है कि उनकी प्रस्तुति केवल गीत नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव बन जाती है।

आशा भोसले की प्रशंसक अमिताभ हैं पसंदीदा अभिनेता

नायरा को महान गायिका आशा भोसले के गीत सबसे अधिक पसंद हैं। फिल्म शान का गीत 'प्यार करने वाले प्यार करते हैं शान से...' उनका प्रिय गीत है। फिल्मों में उनके पसंदीदा अभिनेता अमिताभ बच्चन हैं। वर्तमान में वह संगीत गुरु सार्थक यादव, शबनम मसीह, इशिता विश्वकर्मा, तनिष्क शुक्ला और राकेश चौरसिया की प्रस्तुतियों से प्रेरणा लेती हैं।

गणित पसंद, हनुमान चालीसा कंठस्थ

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, कैंट की कक्षा दूसरी की छात्रा नायरा पढ़ाई में भी उत्कृष्ट हैं। गणित उनका सबसे पसंदीदा विषय है। पहले वह शिक्षिका बनना चाहती थीं, लेकिन अब मुस्कुराते हुए कहती हैं कि वह अपने माता-पिता की तरह वकील बनेंगी। विद्यालय जाने से पहले सरस्वती वंदना, 'या कुंदेन्दु तुषारहार धवला...' का पाठ, भगवान का भजन और गुरु मंत्र का उच्चारण उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। धार्मिक संस्कार इतने गहरे हैं की उन्हें पूरी हनुमान चालीसा कंठस्थ है।

इनका कहना है

कोरोना काल में हमने नायरा के साथ भरपूर समय बिताया। उसे मोबाइल नहीं, संगीत, कहानियों और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा। मेरा मानना है कि हर माता-पिता को बच्चों को खुलकर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। अगले वर्ष से हम उसे शास्त्रीय संगीत और शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण भी दिलाएंगे।'

एड. शीतल दुबे, माता

मुझे स्वयं संगीत का शौक़ है बच्चे का सबसे बड़ा उपहार महंगे संसाधन नहीं, बल्कि परिवार का समय, संस्कार और प्रोत्साहन होता है।

एड. पंकज दुबे,पिता

'मैंने नायरा का पहला ऑडिशन तब लिया था, जब वह सिर्फ तीन साल की थी। उसकी सुरों पर पकड़ और आत्मविश्वास देखकर उसे पहला मंच देने का निर्णय लिया। तभी लगा था कि यह बच्ची आगे जरूर जाएगी।

परशुराम पटेल, वरिष्ठ संगीतकार, मप्र

नायरा की गायकी उसकी उम्र से कहीं आगे है। इस छोटी उम्र में ख़रज के सुर लगाना आसान नहीं होता। मुझे पूरा विश्वास है कि वह भविष्य में जबलपुर और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेगी।

अमित दुबे
प्रसिद्ध गजल गायक, आकाशवाणी

नाम परिवर्तन / नाम स्पष्टीकरण सूचना

मैं शपथकर्ता MONIKA SINGH, उम्र लगभग 34 वर्ष, आधार संख्या : XXXX XXXX 8192 पत्नी अभिजीत जरगर , निवासी 82, एकता नगर, अहिंसा चौक, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर, मध्यप्रदेश-482001, शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ—

मैं शपथकर्ता MONIKA SINGH, उपरोक्त पते की स्थायी निवासी, शपथपूर्वक घोषणा करती हूँ कि मेरी माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश (10वीं) की अंकसूची में मेरा नाम केवल "MONIKA" अंकित है, जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य समस्त शासकीय अभिलेखों में मेरा नाम "MONIKA SINGH" दर्ज है। "MONIKA" एवं "MONIKA SINGH" दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे ही हैं, किसी अन्य व्यक्ति से इनका कोई संबंध नहीं है। अतः भविष्य में सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अन्य अभिलेखों में मेरा सही एवं पूर्ण नाम "MONIKA SINGH" ही माना जाए। यह सूचना विशेष रूप से पासपोर्ट कार्यालय एवं अन्य शासकीय प्रयोजनों हेतु प्रकाशित कराई जा रही है।

पुराना नाम : MONIKA
सही / वर्तमान नाम : MONIKA SINGH